हे मूर्ति बड़ी महान रे अखिलेश्वर पावन धाम रे

हे मूर्ति बड़ी महान रे,
अखिलेश्वर पावन धाम रे,
जहां विराजे साक्षात,
ऊ पवन पुत्र हनुमान रे।bd।

हे सोभा बड़ी प्यारी रे,
ओ संकट मोचन थारी रे,
विश्व म छे एक मात्र मूर्ति,
हाथ म शिवलिंग धारी रे,
जहां चल अखंड रामायण रे,
होय राम नाम गुणगान रे,
जहां विराजे साक्षात,
ऊ पवन पुत्र हनुमान रे।bd।

जहां चल राम को नाम रे,
वहां रहे वीर हनुमान रे,
जिन दई दियों परमाण रे,
झपकई दी पलक सरेआम रे,
सब भक्त जन हर्षाई न,
बोल जयसियाराम रे,
जहां विराजे साक्षात,
ऊ पवन पुत्र हनुमान रे।bd।

जय जय बजरंगी थारी रे,
ओ शिव का रुद्र अवतारी रे,
दुर दुर सी दर्शन क,
आई रया नर और नारी रे,
लिख 'उमेश मुलेवा' छंद रे,
करु नमी नमी प्रणाम रे,
जहां विराजे साक्षात,
ऊ पवन पुत्र हनुमान रे।bd।

हे मूर्ति बड़ी महान रे,
अखिलेश्वर पावन धाम रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जहां विराजे साक्षात,
ऊ पवन पुत्र हनुमान रे।bd।

लेखक / गायक – उमेश मुलेवा।
6261240737

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com